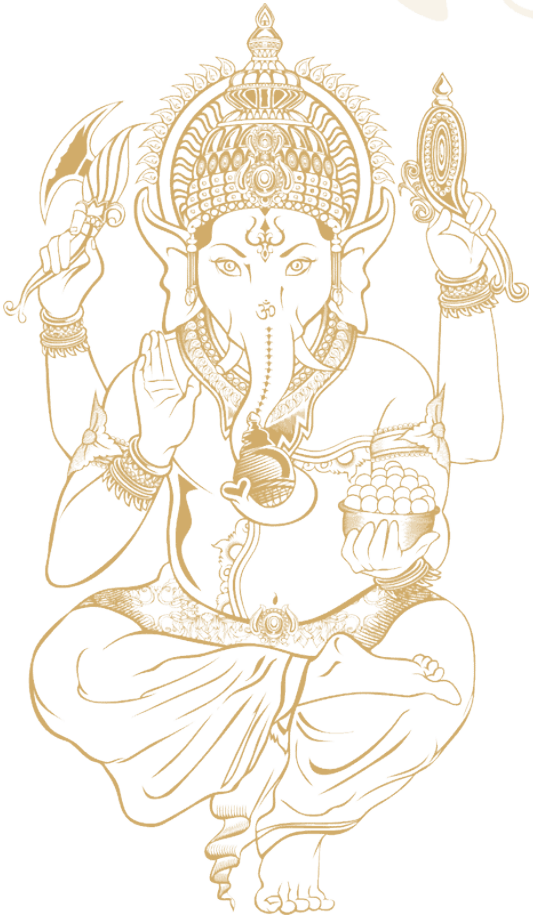

Mr.

11 Jun 1959

11:00 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121914502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/06/1959**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	14:21:14 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:42:12 घंटे
वेलान्तर	00:00:40 घंटे
साम्पातिक काल	03:57:27 घंटे
सूर्योदय	05:15:30 घंटे
सूर्यास्त	19:19:08 घंटे
दिनमान	14:03:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:16:23 वृष
लग्न के अंश	10:12:30 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्याघात
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	10:12:30	309:22:58	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			वृष	26:16:23	00:57:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	19:55:26	12:42:05	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल			कर्क	12:46:20	00:36:04	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	नीच राशि
बुध		अ	मिथु	05:57:33	02:04:43	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	01:01:51	00:06:17	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	11:10:00	01:01:50	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	11:33:23	00:04:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	16:54:41	00:06:22	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	16:54:41	00:06:22	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष			कर्क	20:05:10	00:02:32	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
नेप	व		तुला	11:12:57	00:01:02	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
प्लूटो			सिंह	08:34:30	00:00:49	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	08:11:29	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:17:29

लग्न-चलित

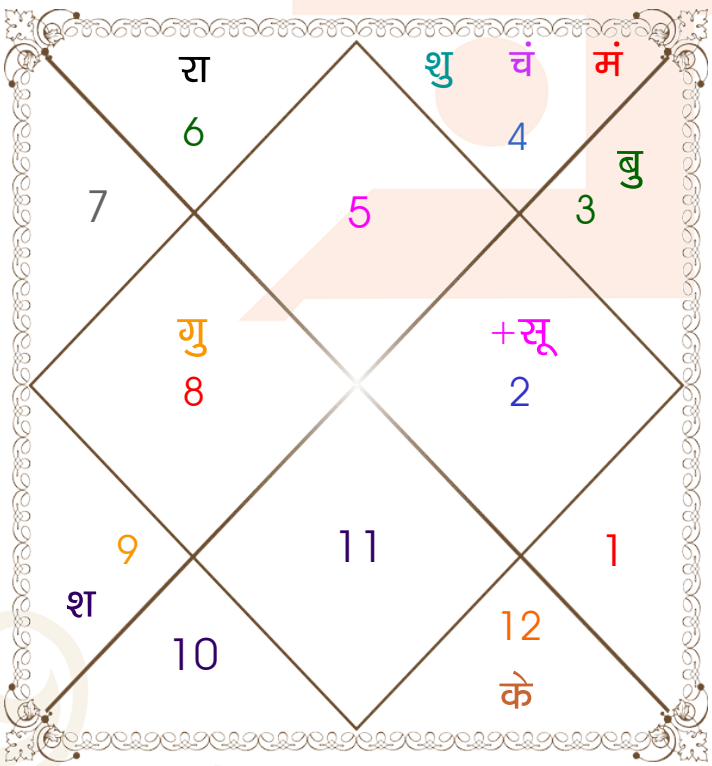

चन्द्र कुंडली

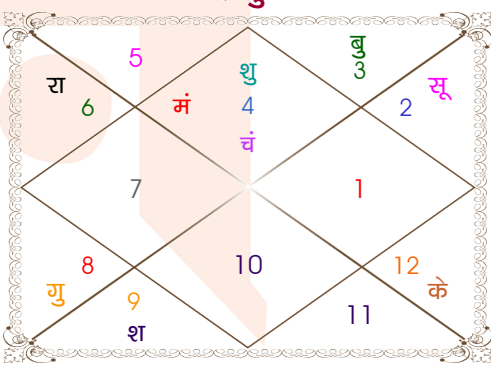

नवमांश कुंडली

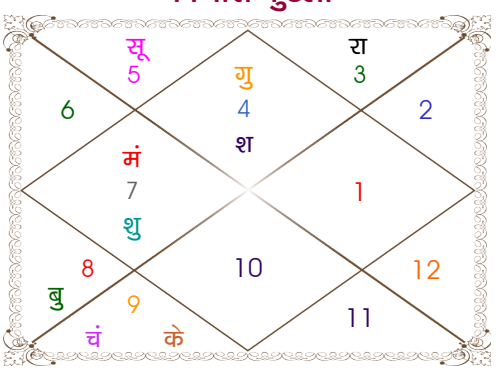

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 10 मास 5 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/06/1959		15/04/1972		16/04/1979		16/04/1999		16/04/2005	
15/04/1972		16/04/1979		16/04/1999		16/04/2005		16/04/2015	
	00/00/0000	केतु	12/09/1972	शुक्र	16/08/1982	सूर्य	04/08/1999	चंद्र	14/02/2006
	11/06/1959	शुक्र	12/11/1973	सूर्य	16/08/1983	चंद्र	02/02/2000	मंगल	15/09/2006
शुक्र	10/07/1961	सूर्य	19/03/1974	चंद्र	16/04/1985	मंगल	09/06/2000	राहु	16/03/2008
सूर्य	16/05/1962	चंद्र	19/10/1974	मंगल	16/06/1986	राहु	04/05/2001	गुरु	16/07/2009
चंद्र	16/10/1963	मंगल	17/03/1975	राहु	15/06/1989	गुरु	20/02/2002	शनि	14/02/2011
मंगल	12/10/1964	राहु	03/04/1976	गुरु	14/02/1992	शनि	02/02/2003	बुध	16/07/2012
राहु	01/05/1967	गुरु	10/03/1977	शनि	16/04/1995	बुध	10/12/2003	केतु	14/02/2013
गुरु	06/08/1969	शनि	19/04/1978	बुध	14/02/1998	केतु	15/04/2004	शुक्र	15/10/2014
शनि	15/04/1972	बुध	16/04/1979	केतु	16/04/1999	शुक्र	16/04/2005	सूर्य	16/04/2015

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/04/2015		16/04/2022		15/04/2040		15/04/2056		16/04/2075	
16/04/2022		15/04/2040		15/04/2056		16/04/2075		00/00/0000	
मंगल	12/09/2015	राहु	27/12/2024	गुरु	04/06/2042	शनि	19/04/2059	बुध	12/09/2077
राहु	30/09/2016	गुरु	23/05/2027	शनि	15/12/2044	बुध	27/12/2061	केतु	09/09/2078
गुरु	06/09/2017	शनि	29/03/2030	बुध	23/03/2047	केतु	05/02/2063	शुक्र	11/06/2079
शनि	15/10/2018	बुध	15/10/2032	केतु	27/02/2048	शुक्र	07/04/2066		00/00/0000
बुध	13/10/2019	केतु	03/11/2033	शुक्र	28/10/2050	सूर्य	20/03/2067		00/00/0000
केतु	10/03/2020	शुक्र	02/11/2036	सूर्य	16/08/2051	चंद्र	18/10/2068		00/00/0000
शुक्र	10/05/2021	सूर्य	27/09/2037	चंद्र	15/12/2052	मंगल	27/11/2069		00/00/0000
सूर्य	15/09/2021	चंद्र	29/03/2039	मंगल	21/11/2053	राहु	03/10/2072		00/00/0000
चंद्र	16/04/2022	मंगल	15/04/2040	राहु	15/04/2056	गुरु	16/04/2075		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 9 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।